उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा – मार्च, 2013

अंक योजना हिन्दी (ऐच्छिक)

कूटबंध सं. 29/1, 29/2, 29/3

कक्षा – XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3	**खण्ड 'क'**	
1.					**15 अंक**
(क)	✓	✓	✓	• जनता के लिए जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा किया गया शासन। • जनता को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार दिया जाता है।	**1+1 = 2**
(ख)	✓	✓	✓	• मीडिया को • क्योंकि वह शेष तीन स्तंभों को जागरूक रखता है।	**1 +1 = 2**
(ग)	✓	✓	✓	• मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ एक सीमा तक ठीक मानता है। • क्योंकि उसके दायित्व, क्रियाशीलता और कार्य–सीमा के बारे मे कोई प्रामाणिक नियम–विनियम नहीं है और सब कुछ उसकी ईमानदारी, कर्त्तव्य परायणता और विश्वसनीयता पर निर्भर करता है।	**1 +1 = 2**
(घ)	✓	✓	✓	क्योंकि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपना निजी अधिकार बनाए रखना चाहता है।	**2**
(ङ)	✓	✓	✓	• पीत–पत्रकारिता, चरित्र–हनन, पेड	**1+1 = 2**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				• न्यूज आदि गलतियाँ। • इनसे बचने के लिए मीडिया को अपने पर अंकुश एवं आत्म नियंत्रण रखना होगा।	1
(च)	✓	✓	✓	• मीडिया जनता–जनार्दन को जागरूक करता है। • अनैतिकता, अन्याय, भ्रष्ट आचरण आदि या जिनसे देश की जनता के चरित्र का हनन हो – उसका विरोध करता है।	1
(छ)	✓	✓	✓	'लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका' (कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें)	1
(ज)	✓	✓	✓	संविधान में कोई उल्लेख न होने पर भी मीडिया स्वयं को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानता है।	½+½ =1
(झ)	✓	✓	✓	उपसर्ग – वि प्रत्यय – ईय, ता	½+½ =1
(ञ)	✓	✓	✓	संधि–विच्छेद उल्लंघन – उत्+लंघन भ्रष्टाचरण – भ्रष्ट+आचरण	1x5 = 5अंक
2. (क)	✓	✓	✓	स्वतंत्रता का सीधा क्रम है जिसकी भूमि है, जो अनाज उगाए, श्रम करे – वही उपभोग करे। अर्थात् श्रम करने वाला ही इनका अधिकारी है।	1
(ख)	✓	✓	✓	• परिश्रम का फल प्राप्त करना। • शोषकों का विनाश किया जाना।	1

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
(ग)	✓	✓	✓	स्वाभिमानी की भाषा–गौरवमयी भिखमंगों की भाषा–गिड़गिड़ाहट भरी, दीन।	½+½ =1
(घ)	✓	✓	✓	• शक्तिशाली बनें – कार्यशीलता को बढ़ाएँ • तीव्र गति से उड़कर अपनी मंजिल प्राप्त करें।	1
(ङ)	✓	✓	✓	भोजन ही नहीं अन्य सुख–सुविधाएँ भी प्राप्त हो सकती हैं।	1
	–––––	अथवा –	–––––	**अथवा**	
(क)	✓	✓	✓	उन वीरों को जो अपने लक्ष्य को न पा सके, किंतु प्रयास तो किया।	1
(ख)	✓	✓	✓	उनकी वीरता, निष्ठा और तत्परता के कारण।	1
(ग)	✓	✓	✓	विजय पाने की अभिलाषा पूरी न हुई और अपने प्राणों की आहुति दे दी।	1
(घ)	✓	✓	✓	जो अपने कार्य में सफलता न पा सके।	1
(ङ)	✓	✓	✓	भले ही उन वीरों को दुनिया भूल गई किन्तु कवि उन वीरों को प्रणाम करते हुए श्रद्धांजलि दे रहा है।	1
				खण्ड 'ख'	
3.	3.	3.	3.	**निबंध** प्रस्तावना, उपसंहार विषय–वस्तु का सुसम्बद्ध प्रतिपादन (कोई चार बिंदु) भाषा शुद्धता और प्रस्तुति	1+1=2 4x1½=6 1+1=2 **10 अंक**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
4.	4.	4.	4.	**पत्र** औपचारिकताएँ विषयवस्तु का प्रतिपादन भाषा शुद्धता	**1** **3** } **5 अंक** **1**
5.	5. ✓	–	–	सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को सबसे पहले लिखा जाता है और उसके बाद घटते हुए महत्वक्रम में अन्य तथ्यों या सूचनाओं को लिखा जाता है। इसके तीन बिंदु हैं – इंट्रो, बॉडी और समापन। इंट्रो – इसमें खबर के मूल तत्त्व को शुरू की दो या तीन पंक्तियों में बताया जाता है। बॉडी – इसमें समाचार के विस्तृत ब्यौरे को घटते हुए महत्वक्रम में लिखा जाता है। समापन – इसमें समापन जैसी कोई चीज़ नहीं होती। पिरामिड शैली के – 3 अंक उदाहरण के लिए – 2 अंक	**3+2 = 5 अंक**
	अथवा——	—————	—————	**अथवा** फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और और आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना होता है। फीचर की विशेषताएँ – • तात्कालिक घटनाक्रम से समाचार की भाँति अवगत नहीं कराता। • इसकी शैली कथात्मक होती है। • भाषा समाचारों के विपरीत सरल,	**5**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				आकर्षक और मार्मिक होती है। • शब्दों की कोई अधिकतम सीमा नहीं होती। • अच्छे और रोचक फीचर के साथ, फोटो, रेखांकन, ग्राफिक्स आदि का होना जरूरी है। • विषय हलके–फुलके या गंभीर हो सकते हैं।	**2**
5.	–	5. ✓	–	• किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन। • खेल, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिल्म–मनोरंजन, अपराध, कानून आदि रूप। (विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार किन्हीं तीन रूपों पर प्रकाश डाल सकता है।)	**1x3=3** **5**
	–––––	**अथवा––**	–––––	**अथवा** • छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है उसे आप आराम से पढ़ सकते हैं। • लम्बे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं और संदर्भ की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। • लिखित भाषा की सभी विशेषताएँ इसमें पाई जाती हैं। • चिंतन विचार और विश्लेषण का माध्यम है।	**5**
5.	–	–	5. ✓	• मुद्रित माध्यम अखबार, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि। • स्थायित्व होता है। आप अपनी	

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				इच्छानुसार पढ़ सकते हैं। • जो कुछ लिखा जाए उसमें वर्तनी शब्दों के साथ स्पष्टता और बोध गम्यता का तत्त्व होना चाहिए। **(कोई अन्य बिंदु अपेक्षित)**	
	————	————	**अथवा——**	**अथवा** • संपादक समाचार में प्रकाशित होने जा रही सामग्री की उपयुक्त काट–छाँट कर उसे पठन योग्य बनानेवाला प्रमुख अधिकारी। प्रमुख दायित्व • तथ्यों की शुद्धता की जाँच, • वस्तुपरकता, • निष्पक्षता, • संतुलन • स्रोत **(उपर्युक्त आलोक में किन्हीं चार की चर्चा)**	**1+4 =5**
6.					**1x5 = 5 अंक**
(क)	✓	✓	✓	• विश्वसनीयता • मनोरंजकता • एकरूपता • तत्कालिकता • रोचकता **(किन्हीं दो का उल्लेख)**	**½+½ =1**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
(ख)	✓	✓	✓	टेलीविजन पत्रकारिता में खबर को पुष्ट करने के लिए जो दृश्य, टिप्पणी आदि दिखाए जाते हैं उन्हें एंकर बाइट कहा जाता है।	1
(ग)	✓	✓	✓	सबसे महत्वपूर्ण खबर जिसे अन्य समाचारों को रोक कर फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज के रूप में दर्शकों तक पहुँचाई जाती है।	1
(घ)	✓	✓	✓	सनसनीखेज समाचारों को किसी के चरित्र–हनन अथवा भ्रामकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रकाशित करना पीत पत्रकारिता कहलाती है।	1
(ङ)	✓	✓	✓	• क्या, कहाँ, कब, क्यों, कौन और कैसे (सभी का उल्लेख)	1
				खण्ड 'ग'	
7.	7. ✓	8. ✓	7. ✓	1. कवि और कविता का नाम 2. पूर्वापर संबंध का निर्वाह (प्रसंग) 3. व्याख्या बिंदुओं की स्पष्टता 4. विशेष कथन	½+½=1 1 5 **8 अंक**
				देखती मुझे.....थर–थर–थर। 1. कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'। कविता 'सरोज–स्मृति'। 2. मातृ सुख से वंचित पुत्री सरोज के विवाह के अवसर पर पिता की मानसिक स्थिति का चित्रण। 3. व्याख्या : • पुत्री के होठों की मुस्कान की मंद में बिजली का थिरकना। • उसकी सुंदर छवि में श्रृंगार में मुखरित होना।	1

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				• धीरे–धीरे युवा होने के उच्छावासों का अंग–अंग में यौवन का शिष्ट उल्लेख। • लज्जा व संकोचवश नतनयनों में आलोक और होठों पर कंपकंपी का उल्लेख। 4. • शृंगारिकता। • तत्सम प्रधान भाषा। • सामासिक शैली। • मुक्त छंद। **अथवा** रैनि अकेलि.....समेटहु पंख। 1. मलिक मोहम्मद जायसी, 'पद्मावत' महाकाव्य, नागमती वियोग खण्ड। 2. वियोगिनी नागमती की विरह दशा का वर्णन। 3. व्याख्या बिंदु : • पूस की रात के जाड़े की असह्यता। • अकेलेपन की पीड़ा। • बिछुड़े पक्षी से तुलना का औचित्य। • विरह रूपी बाज से तुलना का संदर्भ। • वियोग के कारण विरहणी की शारीरिक अक्षमता। • सारस से तुलना। • संदेश में निहित व्यंग्य।	

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
8.				**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
(क)	✓	–	–	• अहं का भाव व्यक्ति को अपनों से अलग कर देता है। • अहंकार त्याग देने पर व्यक्ति की सत्ता सार्वभौमिक हो जाती है। • व्यक्ति का लक्ष्य बोध विश्व बोध में परिवर्तित हो जाता है।	**3+3 = 6 अंक** **3**
(ख)	✓	–	–	• हूणों के हमले में देवसेना का भाई एवं परिवार के अन्य कई सदस्य वीरगति को प्राप्त। • अतीत की उन स्मृतियों में खो जाना जब उसे स्कंदगुप्त से प्रेम था। • प्रेमी से प्रेम थाती को वापस लेने का निवेदन। • निराशा उसकी वेदना को गहरी कर गई है।	**3**
(ग)	✓	–	–	• राम के वनगमन के बाद माता कौसल्या की मनःस्थिति का चित्रण। • माता द्वारा धनुष–बाण आदि को आँखों से लगाना। • पिछली स्मृतियों से दुख का बढ़ना।	**3**
	–	9.(क)	–	• व्यक्ति समाज में सम्मिलित होकर ही महा मानव बन सकता है। • वह सर्वगुण संपन्न हो तो भी समाज के बिना प्रतिष्ठित नहीं हो पाता। • व्यक्ति समाज का महत्वपूर्ण अंग।	**3**
	–	(ख)	–	• सूर्योदय के समय की प्राकृतिक हलचलें।	

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				• पक्षियों के मनोहारी रूप और उड़ान का चित्रण (उदाहरण के रूप में कविता के किसी एक बिंब का स्पष्टीकरण)	
	–	(ग)	–	• हित–पत्र पूर्ण प्रेम का महामंत्र था। • सुजान ने उस मंत्र को बिना पढ़े फाड़ कर फेंक दिया जिसे कवि ने सुजान की निष्ठुरता,उपेक्षा और अहं का प्रतीक समझा। • फाड़ने का कारण का प्रेम की पराकाष्ठा से सुजान का अजान होना और राजा का भय।	
			8.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :–	**3+3 = 6 अंक**
			(क)	दीप अकेला का प्रतीकार्थ • दीप व्यक्ति का प्रतीक, –पंक्ति समाज का प्रतीक। • दीप में स्नेह (तेल) भरा होता है। उसमें गर्व की भावना भी होती है। • वह मदमाता भी है और स्वाभिमान में झूमता रहता है।	**3**
			(ख)	• सत्य को पकड़ पाना कठिन। • सत्य का स्थिर रूप आकार नहीं होता। • वह ठहरता नहीं है।	**3**
			(ग)	कौसल्या की मनोदशा :– • राम की वस्तुओं को देखकर राम का स्मरण। राम की जूतियों और धनुष–बाण को	**3**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				हृदय से लगाना। • विक्षिप्त–सा व्यवहार।	
9.	9. (क)	7. (क)	9. (क)	माधव..... न पारा। भाव सौंदर्य :– • राधा का हर पल बेचैन होकर कृष्ण को खोजना। • सदैव आँखों से आँसू बहना। शिल्प सौंदर्य • उपमा, अतिश्योक्ति, अनुप्रास आदि अलंकार। • भाषा – मैथिली। • श्रृंगार रस के वियोग पक्ष का चित्रण • भाव सरल, सरस, बोधगम्य। • पद छंद में रचना की गई है। **(कोई तीन)**	**3+3 = 6** अंक
	(ख)	✓	✓	भाव सौंदर्य :– • वसंत के सौंदर्य का मानसिक बोध कविता के संदर्भ में। • वनों के यशस्वी होने में निहित सौंदर्य। शिल्प सौंदर्य • वसंत ऋतु का सजीव एवं मनोहारी चित्रण। • 'दहर–दहर' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है। • 'दहर–दहर दहकेंगे' में अनुप्रास अलंकार है। • 'नंदन–वन' खुशहाली एवं मनमोहकता का प्रतीक है। • कवि ने मुक्त छंद में सरल, सहज व	**1½+1½=3**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				• सुबोधगम्य अभिव्यक्ति की है। **(कोई तीन)**	
	(ग)	✓	✓	किसी अलक्षित.....बेखबर। भाव सौंदर्य • 'अलक्षित सूर्य को शताब्दियों से अर्घ्य' देने का भाव। • 'एक–टाँग, दूसरी टाँग' का प्रतीकार्थ। शिल्प सौंदर्य • मुक्त–छंद एवं अनुकांत शैली की रचना है। • कवि की रचना सरल एवं सरस होते हुए भी अर्थ–स्तर पर उच्चकोटि की हैं • दृश्य बिंब का सौंदर्य	**1½+1½=3**
10.	10. ✓	10. ✓	10. ✓	1. लेखक व लेख (पाठ) का नाम 2. पूर्वापर संबंध 3. व्याख्या बिंदु 4. विशेष टिप्पणी/भाषा शुद्धता ये लोग.....हो जाते हैं। 1. लेखक '–निर्मल वर्मा लेख – जहाँ कोई वापसी नहीं 2. लेखक औद्योगीकरण के कारण होने वाले विस्थापन के प्रति अपनी चिंता व्यक्त करता है। 3. • औद्योगीकरण से विस्थापित लोगों को लेखक ने आधुनिक भारत के नए शरणार्थी कहा है। • प्राकृतिक विपदा और उसके कारण।	**½+½=1** **1** **3** **1** } **6 अंक**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				• विकास एवं प्रगति हेतु उजाड़े गए लोगों की स्थिति। • औद्योगिक प्रगति का अप्रिय एवं कष्टदायी कदम। 4. विशेष टिप्पणी :– • शरणार्थियों की समस्या का विश्लेषण। • प्रगति का ऐसा मार्ग जिसमें वेदना न हो। **(कोई अन्य बिंदु)**	
	अथवा––	**अथवा––**	**अथवा––**	**अथवा** 'कुटज क्या .....जीता है। 1. लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी लेख – कुटज 2. लेखक ने कुटज में कई खूबियाँ देखी हैं। कुटज हमें जीवन यापन करने का उपदेश देता है। 3. व्याख्या बिंदु :– • कुटज स्वाभिमानपूर्वक जीता है। • वह निडर एवं आदर्शवादी है। • वह स्वाभिमानी है चापलूसी नहीं करता। 4. विशेष टिप्पणी :– • कुटज मानव जीवन को प्रेरणा देता दर्शाया गया है। • मान सम्मान के जीना ही मानवीय जीवन है। **(कोई अन्य बिंदु)**	
11. (क)	11. ✓	–	–	पुजारी ने लड़की के 'हम' को युगल अर्थ में लेकर आशीर्वाद दिया – ''सुखी रहो, फूलो फलो, जब भी आओ, साथ ही आना, गंगा	**4+4 = 8** अंक **4**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				मैया मनोरथ पूरे करें।'' • लड़की लड़के से अनजान थी। पुजारी ने गलत समझ लिया था। पुजारी ने उन्हें पति–पत्नी या प्रेमी–प्रेमिका समझा। पुजारी की गलतफहमी के कारण ही उन दोनों के व्यवहार में अटपटापन आया।	
(ख)	✓	–	–	प्रजापति (ब्रह्मा) संसार का सृजन करने वाले हैं उसी प्रकार कवि भी अपनी रुचि–अनुसार समाज का पुनर्निर्माण करता है। प्रजापति ने जिस समाज का निर्माण किया है, उस समाज से असंतुष्ट होकर नया समाज बनाने का अधिकार कवि को है। दोनों के कार्य में पर्याप्त समानता है।	**4**
(ग)	✓	–	–	'शेर' व्यवस्था का प्रतीक है। आम जनता का संचालन यह व्यवस्था ही करती है। यह व्यवस्था उस समय तक चुप रहती है जब तक आँखें बंद करके इसकी आज्ञा का पालन करते रहो। जब इस व्यवस्था पर आपत्ति की जाती है या आज्ञा की अवहेलना की जाती है तब यह व्यवस्था भयंकर हो उठती है और आवाज उठाने वालों का सिर कुचलने का प्रयास किया जाता है।	**4**
	–	11. (क)	–	• घड़ी के पुर्जों का दृष्टांत। • सहमति असहमति पर मुक्त उत्तर संभव, तर्कों की उपयुक्तता के आधार पर अंक दें।	**2+2 = 4**
	–	(ख)	–	• संग्रहालय के निर्माण में ब्रजमोहन व्यास का योगदान। पाषाण मूर्तियाँ, मिट्टी की मूर्तियाँ, मनके, मोहरें, चित्र, सिक्के तथा हस्तलिखित	**4**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				पुस्तकों का उल्लेख। • प्रदर्शन के लिए बड़े–बड़े कमरे तथा संचालन के लिए संग्रहालय निर्माण कोष।	
	–	(ग)	–	• बड़ी बहुरिया की स्थिति का चित्रण। • अपनी बड़ी बहुरिया की आँखें छलछला उठी। • अपनी दयनीय स्थिति से विचलित। • आत्महत्या करने का निर्णय। • कोई दुख बाँटने वाला नहीं।	**4**
	–	–	11. (क)	बहुरिया का चित्रांकन • बड़ी बहुरिया एक बड़े खानदान की बेटी थी, जो अच्छे संस्कारों के बीच पली–बड़ी थी। • ब्याह कर वह एक बड़े घराने की बहू बनकर बड़ी हवेली में आई। • पति की मृत्यु के बाद उसकी इज्जत और मान–सम्मान तार–तार हो गया। • जिस हवेली में नौकर–चाकर और आने–जाने वालों की चहल–पहल रहती थी उस हवेली में आज सब कुछ बदल गया। **(किन्हीं दो के आलोक में चित्रण)**	**2+2 = 4**
	–	–	(ख)	प्रस्तुत कथन 'दूसरा देवदास' संभव और पारो के चरित्र पर पूर्णतः घटित होता है। पारो संभव पर मोहित थी। वह मनसा देवी मंदिर में संभव की तलाश में ही आई थी। उसने मनसा देवी पर एक और चुनरी चढ़ाने का संकल्प लिया था। उसकी यह	**4**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				मनोकामना पूर्ण हुई। पारो संभव के मिल जाने पर मन ही मन मनोकामना की इस गाँठ के विषय में सोच रही थी।	
	–	–	(ग)	चौधरी प्रेमघन का व्यक्तित्व आकर्षक, उनके लंबे बाल कंधों पर बिखरे रहते। उनमें हिन्दुस्तानी की सी रईसों की प्रवृत्ति थी। वे उत्सव प्रेमी थे।	**4**
12.	12.	12.	12.	अंक विभाजन 1. जन्म व जीवन परिचय 2. रचनाओं का उल्लेख 3. काव्यगत विशेषताएँ	**2** **1** **3** **6 अंक**
				जयशंकर प्रसाद 1. सन् 1889 में, काशी में जन्म, विद्यालयी शिक्षा केवल आठवीं तक, इतिहास, दर्शन, धर्मशास्त्र व पुरातत्त्व के प्रकाण्ड विद्वान, सौम्य, शांत एवं गंभीर प्रकृति के व्यक्ति। 2. रचनाएँ – **कविताएँ** – कामायनी, झरना, लहर, आँसू, कानन–कुसुम, प्रेम पथिक **उपन्यास** – कंकाल, तितली, इरावती (अपूर्ण) **नाटक** – अजातशत्रु, स्कन्दगुप्त, चंद्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी **(किन्हीं दो का उल्लेख)** 3. काव्यगत विशेषताएँ • छायावादी कवि, काव्य का शिल्प–विधान अत्यन्त सूक्ष्म। • मनोहर शब्द चयन व वाक्य विन्यास। • भाषा लाक्षणिक, प्रतीकात्मक	

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				• शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली। **(कोई तीन)** **अथवा** **केदारनाथ सिंह** 1.जन्म 7 जुलाई 1934, बलिया जिले के चकिया गाँव। काशी हिन्दु विश्वविद्यालय से हिन्दी में एम. ए., गोरखपुर में हिंदी के प्राध्यापक, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रोफेसर रहे। 2. रचनाएँ – **काव्य संग्रह** – अभी बिल्कुल अभी, जमीन पक रही है, यहाँ से देखो, 'अकाल में सारस', 'उत्तर कबीर तथा अन्य कविताएँ और बाघ। (किन्हीं **दो** का उल्लेख) • मानवीय संवेदनाओं के कवि। • कविताओं में बिंब–प्रधान पर अधिक बल। • नम्य व पारदर्शक भाषा का प्रयोग • विचार बोध और संवेदना का साथ–साथ प्रयोग। **(कोई तीन)** **अथवा** **रामविलास शर्मा** 1. जन्म – 1912 उत्तर प्रदेश, सानी गाँव, लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में एम.ए. तथा पीएच.डी. की और अंग्रेजी विभाग में प्रोफेसर। साहित्य समाज तथा इतिहास से संबंधित चिंतन और लेखन कार्य 2. रचनाएँ –	

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				महावीर प्रसाद द्विवेदी, भारतेन्दु और उनका युग प्रेमचंद और उनका युग, निराला की साहित्य साधना (तीन खंड), भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी (तीन खंड), भाषा और समाज, इतिहास दर्शन आदि। **(किन्हीं दो का उल्लेख)** 3. भाषा शैली की दो विशेषताएँ • शर्मा जी की शैली कहीं तो विचारोतेजक है और कहीं व्यंग्य–प्रधान। • उनकी भाषा में संस्कृत के तत्सम् शब्दों की प्रमुखता है। • अंग्रेजी उर्दू आदि भाषाओं के प्रचलित शब्दों का प्रयोग। • भाषा संस्कृत निष्ठ सहज, सरस एवं विषयानुकूल है। **(कोई तीन)**	
	अथवा	–	–	**असगर वज़ाहत** 1. जन्म 1946 में फतेहपुर, उत्तर प्रदेश प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में, विश्वविद्यालय स्तर की पढ़ाई – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय दिल्ली के जामिया मिलिया विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया। कहानी, उपन्यास नाटक तथा लघु कथा लिखी। 2. रचनाएँ – दिल्ली पहुँचना है, आधी बानी, मैं हिंदू हूँ (कहानी संग्रह), फिरंगी लौट आए, इन्नी की आवाज़, वीरगीत, समिधा, सबसे सस्ता गोश्त। **(कोई दो)**	

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				3. भाषा शैली • भाषा में गांभीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति। • मुहावरों तथा तद्भव शब्दों का प्रयोग। • सरल, सहज बोलचाल की भाषा। • लाक्षणिकता और व्यंग्यात्मकता। **(कोई तीन)**	
13. (क)	13. ✓	14. ✓	13. ✓	जगधर के मन में सूरदास के प्रति ईर्ष्या भाव इसलिए जाग्रत हुआ क्योंकि झोपड़ी से उड़ाई थैली के सभी पैसे भैरों को बिना किसी मेहनत के मिल गए। अगर सूरदास सच बोल देता तो वह सारे पैसे भैरों को न मिलते।	**2+ 2= 4 अंक** **2**
(ख)	✓	✓	✓	महीप रूपसिंह के बड़े भाई भूपसिंह का बेटा था। घर से भागकर आया था और वह अपने परिचय को छिपाकर रखना चाहता था। • धोती या कमीज में प्याज बाँधना। • कच्चे आम के पन्ने का प्रयोग। • कच्चे आम को भून/उबाल कर गुड़ या चीनी में मिलाकर शरबत बनाकर पीना। **(कोई अन्य बिंदु)**	**2**
14. (क)	14. ✓	13. ✓	14. ✓	• अपना रहस्य प्रकट न करना। • भैरों का बुरा न करने की भावना। • 'इतने पैसे आए कहाँ से' जैसे	**3 अंक**

प्रश्न सं.	29/1	29/2	29/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				असहज प्रश्नों का उत्तर देने का संकोच। **(अन्य कारणों सहित तर्क संगत उत्तर भी संभव, मूल्यों की चर्चा पर पूरे अंक दें)**	
(ख)	✓	✓	✓	• जली हुई झोंपड़ी को देखकर सूरदास का कहना 'तो हम सौ लाख बार बनाएँगे' उसकी दृढ़ इच्छा–शक्ति का परिचय देता है। • झोपड़ी में आग लगने के बाद शीघ्र ही सूरदास का निराशपूर्ण मनस्थिति से उबरना। • उनके दृढ़ संकल्प का परिचय। • भविष्य के प्रति आशावान होना। **(अन्य मूल्यपरक बिंदु)**	**2 अंक**
15.	15. —————	15. **अथवा——**	15. —————	(पक्ष या विपक्ष में मुक्त उत्तर संभव, कम से कम तीन तर्कों का विवेचन अपेक्षित) **अथवा** • प्राकृतिक आपदाओं से जूझना, जैसे भूपसिंह जूझता रहा किंतु रूप सिंह भाग गया। • चिकित्सा आदि सुविधाओं का अभाव – भूपसिंह की पहली पत्नी की मृत्यु • बेरोजगारी, रूपसिंह नौकरी के लिए मैदानों की ओर भाग आया था। **(कोई अन्य बिंदु)** उदाहरण – 3 अंक प्रतिपादन – 3 अंक	**2x3 = 6 अंक**